http://www.epitomejournals.com, Vol. 2, Issue 12, December 2016, ISSN: 2395-6968

Epitome : International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN : 2395-6968

'कोणार्क की छाया में' ..... डॉ. दामोदर खड़से

डॉ. प्रा. एम.जे. शिवदास

हिंदी विभाग प्रमुख तथा सहयोगी प्राध्यापक

प्रा. डॉ. एन.डी.पाटील महाविद्यालय,मलकापुर

ता. शाहूवाडी, जि. कोल्हापुर (महाराष्ट्र)

Email : Shivdasmj@gmail.coms

Abstract

महाराष्ट्र सरकार की ओर से हाल ही में 'जीवन गौरव पुरस्कार' पानेवाले तथा महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विद्यापीठ में 'रायटर–इन–रेजिडेंस' इस मानद पद पर नियुक्ति होनेवाले कथाकार, अनुवादक, राजभाषा से संबंधित विपुल लेखन करनेवाले, तथा कवि के रुप में ख्यातकीर्द रचनाकार डॉ. दामोदर विष्णू खड़से मराठी तथा हिंदी भाषी लोगों को परिचित है। उन्होंने अब तक तीन उपन्यास, छ कथासंग्रह, सात कविता संग्रह, पंन्द्रह अनुवाद से संबंधित किताबें, चार राजभाषाविषयक किताबें, एक यात्रावर्णन तथा साक्षात्कार से संबंधित, तथा अन्य पत्र–पत्रिकाओं में विपुल साहित्य लेखन किया है। वे कथाकार, कवि, सृजक, अनुवादकर्ता के रुप में परिचित है, तथा बीस विविध पुरस्कारों से सन्मानित हस्ती है इनमें से दो पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा और राष्ट्रपति प्रतिभा पाटील के द्वारा प्राप्त हो चुके है। वे 2008 में बैंक ऑफ महाराष्ट्र पुणे से सहायक महाप्रबंधक (राजाभाषा) इस पद से अवकाशप्राप्त हो चुके है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, रसायन व उर्वरक मंत्रालय, उर्जा मंत्रालय में हिंदी समिति पर सलाहकार सदस्य के रुप में कार्यरत रहे हैं।

उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में पुनर्गठित केन्द्रीय हिंदी समिति पर सदस्य के रुप में अपना योगदान दिया है। उनके नामपर 2015 तक विविध विधाओंसे संबंधित 50 पुस्तकें है। हम उनके द्वारा 'काला सूरज' और 'भगदड' इन दो उपन्यास के बारे में यहापर विचार करेंगे –

 Dr. Pramod Ambadasrao Pawar, Editor-in-Chief ©EIJMR, All rights reserved.

Keywords

डॉ. दामोदर खड़से, काला सूरज, भगदड, 'कोणार्क की छाया में', कथाकार

 Dr. Pramod Ambadasrao Pawar, Editor-in-Chief ©EIJMR, All rights reserved.